Doon Public School Bhuj

Class: IV **Hindi Worksheet** **Date:** 05/05/2020

Topic – कविता - 1. यह है त्योहारों का देश **H.W**

कवि : सुरेश सलिल

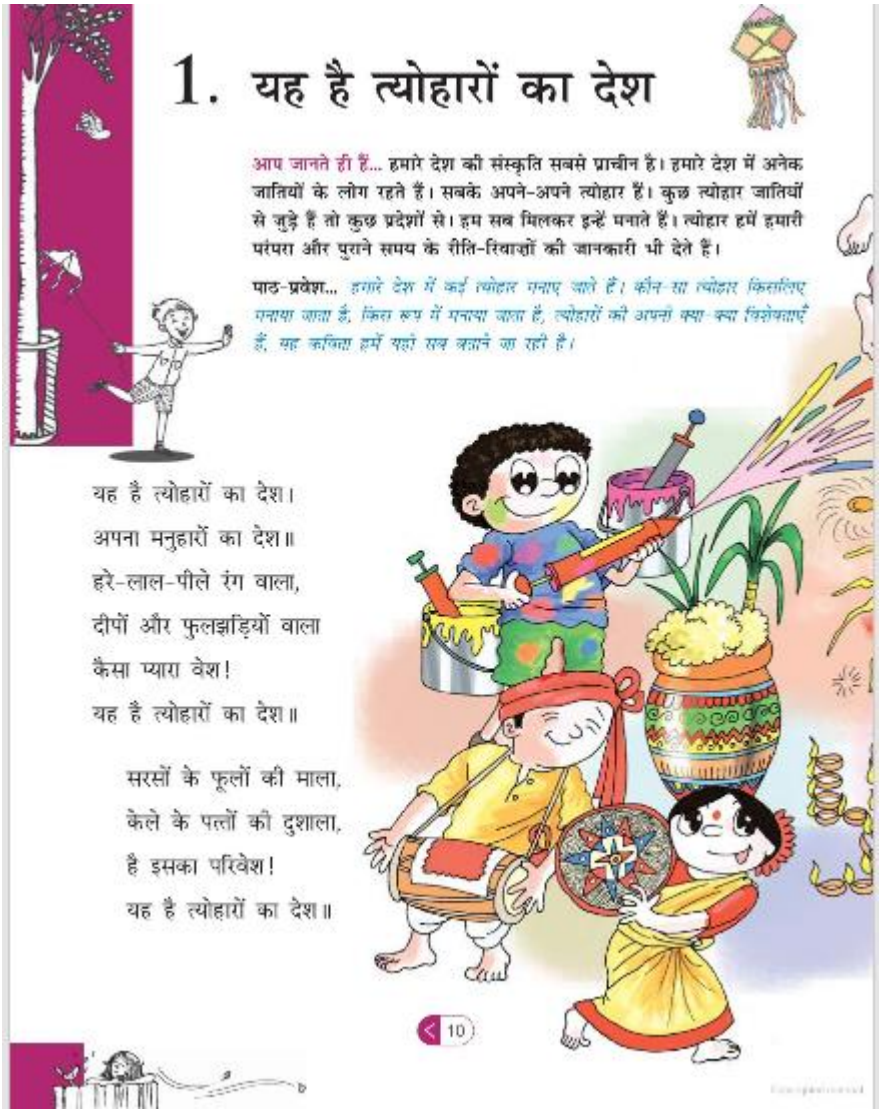

1. यह है त्योहारों का देश

आप जानते ही हैं... हमारे देश की संस्कृति सबसे प्राचीन है। हमारे देश में अनेक जातियों के लोग रहते हैं। सबके अपने-अपने त्योहार हैं। कुछ त्योहार जातियों से जुड़े हैं तो कुछ प्रदेशों से। हम सब मिलकर इन्हें मनाते हैं। त्योहार हमें हमारी परंपरा और पुराने समय के रीति-रिवाजों की जानकारी भी देते हैं।

पाठ-प्रवेश... *हमारे देश में कई त्योहार मनाए जाते हैं। कौन-सा त्योहार किसलिए मनाया जाता है, किस रूप में मनाया जाता है, त्योहारों की अपनी क्या-क्या विशेषताएँ हैं, यह कविता हमें यहाँ सब बताने जा रही है।*

यह है त्योहारों का देश।
अपना मनुहारों का देश॥
हरे-लाल-पीले रंग वाला,
दीपों और फुलझड़ियों वाला
कैसा प्यारा वेश!
यह है त्योहारों का देश॥

सरसों के फूलों की माला,
केले के पत्तों की दुशाला,
है इसका परिवेश!
यह है त्योहारों का देश॥

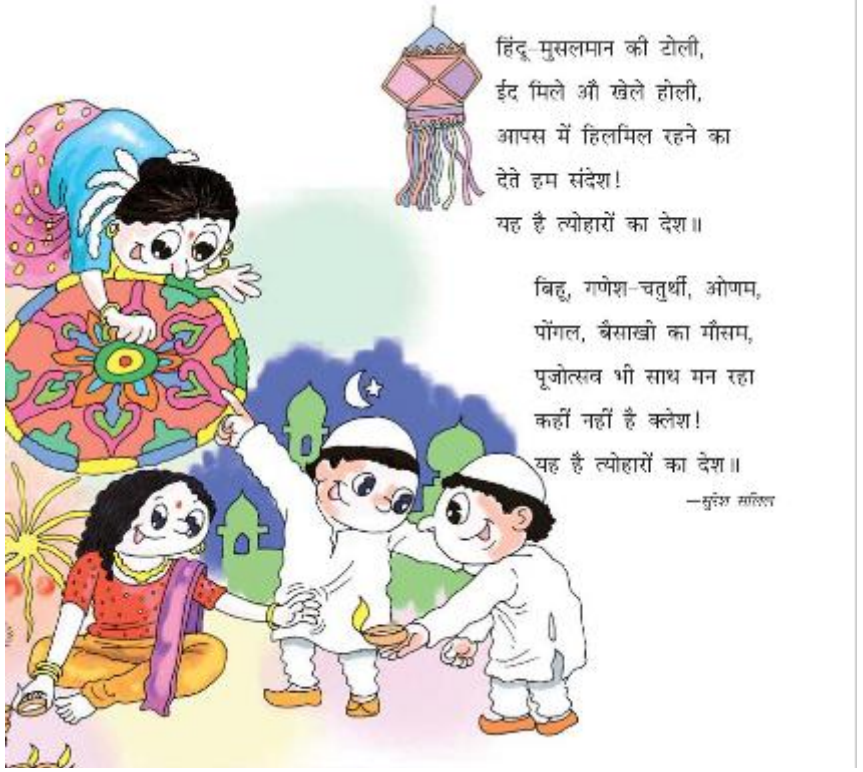

हिंदू मुसलमान की टोली,
ईद मिले औ खेले होली,
आपस में हिलमिल रहने का
देते हम संदेश!
यह है त्योहारों का देश॥

बिहु, गणेश-चतुर्थी, ओणम,
पोंगल, बैसाखी का मौसम,
पूजोत्सव भी साथ मन रहा
कहीं नहीं है क्लेश!
यह है त्योहारों का देश॥

—सुरेश सलिल

(पाठ्यपुस्तिका - अभ्यास कार्य)

बताओ - (Speaking Skills)

1. भारत को त्योहारों का देश क्यों कहा जाता है ?

उत्तर - भारत में अनेक त्योहार मनाए जाते हैं इसलिए इसे त्योहारों का देश कहा जाता है |

2. कविता में सरसों और केले के पत्तों से क्या बना है ?

उत्तर - सरसों के फूलों की माला और केले के पत्तों की दुशाला बनी है |

3. कवि कौनसा संदेश देने की बात कर रहा है ?

उत्तर - कवि भेदभाव को मिटाकर सबको मिलजुलकर रहने का संदेश देने की बात कह रहा है |

लिखो - (Writing Skills)

क. पंक्तियाँ पूरी करो -

हिंदू - मुसलमान की टोली,
ईद मिले औ खेले होली,
आपस में हिलमिल रहने का
देते हम संदेश !
यह है त्योहारों का देश ||

ख. बहुविकल्पी प्रश्न - (MCQs)

उचित उत्तर पर √ का निशान लगाओ -

1. हमारा देश कौन - से रंग वाला है ?

i. काले - नीले - हरे ii. गुलाबी - सफ़ेद - भूरे iii. हरे - लाल - पीले (√)

2. कविता में किसकी दुशाला ओढ़ने की बात कही गई है ?

i. सरसों के फूलों की ii. केले के पत्तों की (√) iii. केले के पेड़ की

3. हम भारतवासी किस बात का संदेश देते हैं ?

i. हिलमिलकर रहने का (√) ii. एक साथ पढ़ने का iii. साथ मिलकर घूमने का

ग. पाठ से जुड़े वाक्यों के आगे √ या × का निशान लगाओ -

1. हमारा देश त्योहारों का देश है | (√)
2. इसका परिवेश बड़ा दुखद है | (×)
3. सब एक साथ मिलकर कबड्डी खेलते हैं | (×)
4. ओणम और दीवाली एक ही दिन मनाते हैं | (×)
5. हम ईद और होली नहीं खेलते | (×)
6. कहीं भी क्लेश नहीं है | (√)

भाषा - सरिता (Thinking Skills)

प्रश्न - दिए गए शब्दों का वर्ण - विच्छेद कीजिए |

हम - ह् + अ + म् + अ
हमारे - ह् + अ + म् + आ + र् + ए
देश - द् + ए + श् + अ
दीपों - द् + ई + प् + ओं
माला - म् + आ + ल् + आ
पूँछ - प् + ऊँ + छ् + अ
फूलों - फ् + ऊ + ल् + ओं

टिप्पणी - पुस्तिका कार्य (Notebook Work)

कठिन शब्द :

1. त्योहारों	6. परिवेश	11. पूजोत्सव
2. मनुहार	7. हिलमिल	12. बिहू
3. फुलझड़ियाँ	8. चतुर्थी	13. पोंगल
4. वेश	9. बैसाखी	14. सरसों
5. दुशाला	10. क्लेश	15. ओणम

प्रश्न - उत्तर : (अधिकतम शब्दों में)

1. 'मनुहारों का देश' का अर्थ लिखिए |

उत्तर - हमारे देश के लोगों में प्यार और अपनापन है | एक - दूसरे को मनाने की परंपरा है इसलिए हमारा देश मनुहारों का देश है |

2. हिंदू - मुसलमान मिलकर क्या करते हैं ?

उत्तर - हिंदू - मुसलमान मिलकर ईद और होली के त्योहार मनाते हैं |

3. इस कविता में जिन त्योहारों की चर्चा की गई है वे कब - कब मनाए जाते हैं ?

उत्तर - होली फाल्गुन मास की पूर्णिमा को, दीवाली कार्तिक मास की अमावस्या को, बिहू माघ के महीने में, गणेश - चतुर्थी भाद्रपद में और बैसाखी अप्रैल में मनाया जाता है |

4. क्लेश न होने के क्या कारण हैं ?

उत्तर - हमारे देश में सभी लोग प्यार से मिलजुलकर रहते हैं इसलिए क्लेश नहीं होता |

मूल्याधारित प्रश्न : (VBQ)

प्रश्न - वर्तमान समय में त्योहारों का महत्त्व शेष रह गया है | बताओ कैसे ?

उत्तर - वर्तमान समय में सभी अपने - अपने कामों में व्यस्त रहते हैं | एक - दूसरे से मिलने का समय नहीं निकाल पाते | केवल त्योहारों के कारण ही हम सबसे मिल पाते हैं इसलिए त्योहारों का महत्व शेष रह गया है |

उच्चतम चिंतन कौशल संबंधी : (HOTS)

प्रश्न - जीवन में त्योहार क्यों जरुरी हैं ?

उत्तर - जीवन में खुशी, प्यार, अपनापन, सद्भावना,सहयोग और आनंद के लिए त्योहार जरुरी हैं |

रचनात्मक मूल्यांकन : (Creative Skills)

प्रश्न : कविता में दिए गए त्योहार भारत में विशेषतः कौन - कौन से स्थान पर मनाए जाते हैं ?

उत्तर - गणेश चतुर्थी - महाराष्ट्र

होली - उत्तर भारत

पोंगल - तमिलनाडु

ईद - संपूर्ण भारत

बिहू - असम

ओणम - केरल

बैसाखी - पंजाब